हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 75 देहरादून, बुधवार, 07 सितंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

अच्छी शिक्षा देकर मज़बूर बच्चों को जीवन की मुख्यधारा से जोड़ रहे हैं : मुख्यमंत्री 3

उच्च शिक्षण संस्थानों में एंटी ड्रग्स सेल का गठन होगा : डॉ0 धन सिंह रावत, शिक्षा मंत्री

उच्च शिक्षा परिषद की बैठक में लिये गये कई अहम निर्णय

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 6 सितम्बर। सूबे में उच्च शिक्षा के अंतर्गत शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिये राज्य सरकार प्रतिवर्ष विभिन्न विषयों के शोधार्थियों को स्कॉलरशिप देगी। इसके लिये राज्य स्तरीय रिसर्च फाउंडेशन का गठन किया जायेगा। उच्च शिक्षा को रोजगारपरक एवं गुणवत्तायुक्त बनाने के लिये प्रत्येक निजी एवं राजकीय विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को नैक एक्रिडिएशन करवाना अनिवार्य होगा।

सूबे के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को नशा मुक्त अभियान के तहत एंटी ड्रग्स सेल का भी गठन करना होगा।

डॉ0 रावत ने बताया कि राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत अब छात्र-छात्राएं अध्ययन के लिये एक विश्वविद्यालय से दूसरे विश्वविद्यालय में जा सकेंगे, इसके लिये उन्हें उच्च शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। बैठक में विभागीय मंत्री ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को शीघ्र परीक्षा परिणाम घोषित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा जो विश्वविद्यालय एकेडमिक कैलेंडर के अनुरूप समय पर परीक्षा परिणाम नहीं घोषित करेंगे उनके विरूद्ध कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत की अध्यक्षता में सचिवालय स्थित वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली सभागार में आयोजित राज्य उच्च शिक्षा परिषद की दसवीं बैठक में कई अहम निर्णय लिये गये। जिसके अंतर्गत राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न क्षेत्रों में शोध कर रहे शोथार्थियों को राज्य सरकार स्कॉलरशिप देगी। जिसके लिये राज्य स्तर पर रिसर्च फाउंडेशन का गठन किया जायेगा। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने तथा रोजगारपरक बनाने के लिये प्रदेश के सभी निजी एवं राजकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को नैक एक्रिडिएशन कराना आवश्यक होगा, जो शिक्षण संस्थान नैक एक्रिडिएशन के लिये आवेदन नहीं करेंगे ऐसे संस्थानों की मान्यता रद्द की जा सकेगी।

बैठक में पद्मश्री डॉ0 अनिल जोशी, सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगोली, सचिव संस्कृत शिक्षा चन्द्रेश यादव, राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य राकेश ओबरॉय, अनिल गोयल, सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के कुलपति, निदेशक उच्च शिक्षा प्रो0 संदीप शर्मा, रूसा सलाहकार प्रो0 एम0एस0एम0 रावत, प्रो0 के0डी0 पुरोहित, अपर सचिव प्रशांत आर्य, एम0एसम0 सेमवाल, संयुक्त निदेशक डॉ0 ए0एस0 उनियाल सहित परिषद के दो दर्जन सदस्य एवं शासन स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे।

सावधान : उत्तराखंड में बारिश को लेकर फिर जारी हुई चेतावनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 6 सितम्बर। उत्तराखंड में बारिश का कुछ पता नहीं है। कुछ जिलों में इतनी बारिश होजाती है कि आपदा आ जाती है और कुछ जिलों में सिर्फ नाम की ही बारिश होती है। ऐसे में मौसम विभाग द्वारा उत्तराखंड में 8 व 9 को पर्वतीय क्षेत्रों में छिटपुट स्थानों पर बिजली, ओलावृष्टि और भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में 6 और 9 सितंबर को बारिश का येलो अलर्ट रहेगा।

7 और 8 तारीख को कुमाऊं मंडल के पहाड़ी जिलों और कुछ पहाड़ी इलाकों में छिटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

मैदानी जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। 9 तारीख को देहरादून, नैनीताल, बागेश्वर जिलों में कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है. पर्वतीय क्षेत्रों में गरज और बिजली चमक सकती है और तेज बौछारें पड़ सकती हैं। 7 को भी दून में कुछ इलाकों में गरज के साथ बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

क्रिकेट बैट मारकर 73 वर्ष के बुजुर्ग ने की पत्नी की हत्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 6 सितम्बर। डालनवाला रोड स्थित बलवीर रोड भाजपा कार्यालय के निकट एक बुजुर्ग ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। आरोपित ने क्रिकेट बैट से पत्नी को मौत के घाट उतारा। खाना बनाने को लेकर हुई कहासुनीएसपी सिटी सरिता डोबाल ने बताया की रेहड़ी लगाने वाले राम सिंह उम्र 73 वर्ष का अपनी पत्नी उषा देवी उम्र 53 वर्ष के साथ पारिवारिक झगड़ा चल रहा था। सोमवार रात करीब 10:30 बजे दोनों के बीच खाना बनाने को लेकर कहासुनी हो गई। जहां आरोपित ने क्रिकेट बैट से उसकी हत्या कर दी और शव अस्पताल पहुंचाया।अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी के बाद आरोपित को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। आरोपित ने तीन साल पहले उषा देवी से की थी शादीमृतक उषा देवी बदमाश करण शिवपुरी की मां थीं। करण शिवपुरी के खिलाफ लूट व डकैती के कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपित ने तीन साल पहले 2019 में उषा देवी से शादी की थी। पहली पत्नी और दो बेटों की हो गई मौतआरोपित राम सिंह की यह दूसरी शादी थी। उसकी पहली पत्नी की कुछ समय पहले मृत्यु हो गई थी। राम सिंह के दो बेटे थे, जिनकी 2015 व 2016 में बीमारी के कारण मृत्यु हो गई थी। राम सिंह खुद भी कैंसर पीड़ित है।

लव मैरिज करने वालों के लिए टेंशन और बढ़ी

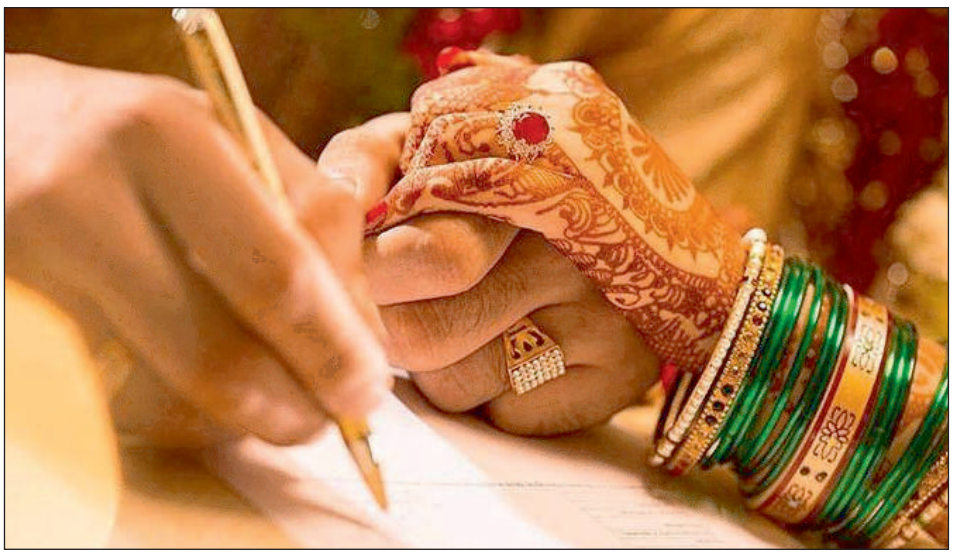

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 6 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल जून के महीने में आर्य समाज में शादी को लेकर यह कहा कि उसे प्रमाण पत्र जारी करने का कोई अधिकार नहीं है। वहीं अब इलाहाबाद हाई कोर्ट की ओर से यह टिप्पणी सामने आई है कि सिर्फ आर्य समाज मंदिर के मैरिज सर्टिफिकेट से शादी नहीं होती है। आमतौर पर यह माना जाता है कि आर्य समाज में शादी आसानी से हो जाती है। आर्य समाज मंदिर में वैदिक रीति-रिवाज से शादी कराई जाती है। शादी के बाद सर्टिफिकेट भी दिया जाता है। ऐसे में सवाल यह है कि आर्य समाज मंदिर में शादी करने वालों को आगे किन कानूनी नियमों का पालन करना चाहिए।

आर्य समाज मंदिर में शादी पर सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा

आर्य समाज मंदिर में हुई शादी में स्पेशल मैरिज एक्ट के प्रावधान का पालन करना होगा। यह सवाल सुप्रीम कोर्ट में उठ चुका है और कोर्ट ने इसे एग्जामिन करने का फैसला किया है। मध्य भारत आर्य प्रतिनिधि सभा ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इस फैसले पर हाई कोर्ट ने आर्य समाज मंदिर में होने वाली शादी को स्पेशल मैरिज एक्ट के शर्तों को लागू करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में नोटिस जारी करते हुए हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आर्य समाज को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का कोई अधिकार नहीं है।

आजादी के पहले से अंग्रेजों का बनाया एक्ट

आजादी से पहले अंग्रेजों ने आर्य मैरिज वैलिडेशन एक्ट को पारित किया था। साल 1937 में इसे पारित किया गया था। दूसरी जाति में शादी की इजाजत नहीं मिलने पर कई कपल ने आर्य समाज को अपनाया। यहां जाति को लेकर कोई भेद नहीं और लड़का-लड़की अलग जाति के हैं फिर भी उनकी शादी को मान्यता दी जाती है। ऐसी शादी को ही मान्यता देने के लिए आर्य मैरिज वैलिडेशन एक्ट लाया गया। इस एक्ट में लिखा गया है कि हिंदू के अलावा किसी धर्म से होंगे तब भी उनका विवाह अमान्य नहीं माना जाएगा। इस एक्ट को को आज भी आर्य समाज मंदिर अपनाते हैं।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की टिप्पणी आई सामने

आर्य समाज मंदिर की ओर से बड़े पैमाने पर जारी किए जाने वाले विवाह प्रमाण पत्रों की वैधता को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मानने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि सिर्फ आर्य समाज मंदिर की ओर से विवाह प्रमाण पत्र जारी होने से विवाह साबित नहीं होता है। इससे साफ हो गया है कि अगर शादी को कानूनी रूप से मान्यता देनी है तो उसका रजिस्ट्रेशन भी कराना होगा।

कैनन ईओएस 1500D : लोकप्रिय रेंज में एक नया एंट्री-लेवल डीएसएलआर जानिए इसकी खासियत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

EOS 1500D उनकी प्रतिभा का जश्न मनाने के लिए एक आदर्श कैमरा है, सबसे स्वाभाविक तरीके से चौंकाने वाली तेज तस्वीरें और सुंदर पूर्ण-एचडी वीडियो कैप्चर करता है। जिसकी कीमत सिर्फ 40,000 है।

EOS 1500D के साथ, आप जीवन को वैसे ही कैद कर सकते हैं जैसे होता है। EOS 1500D बाहरी लुक के आधार पर पिछली पीढ़ी के समान है। यह अपने पूर्ववर्ती के समान आकार और वजन का है, और जहाँ तक बटन लगाने की बात है, यह ठीक वैसा ही है। कैमरे पर एक-हाथ की शूटिंग सुलभ है, लेकिन यह अभी भी एक अच्छी पकड़ प्रदान करता है, कैमरे के दाईं ओर पर्याप्त रबर क्लैडिंग के लिए धन्यवाद। प्लास्टिक फिनिश बहुत अधिक प्रीमियम नहीं लगता है, और यह एक बुनियादी डीएसएलआर के लिए अपेक्षित है।

नए कैनन ईओएस 1500डी के पेशेवरों और विपक्षों को जानें

पेशेवरों:

*नौसिखियों के लिए किफायती कीमत वाला डीएसएलआर कैमरा *प्रयोग करने में आसान *छवि गुणवत्ता उत्कृष्ट है।*इसमें लंबी बैटरी लाइफ है।*यह हल्का लेकिन मजबूत है, जिससे सरल पैंतरेबाज़ी की अनुमति मिलती है।

दोष:

*कोई कलात्मक या स्पर्श प्रदर्शन नहीं है, और कुछ वाई-फाई कनेक्टिविटी मुद्दे हैं।

*कुछ तृतीय-पक्ष ट्रिगर और फ़्लैश असंगत हैं।

क्या आप चाय के शौकीन है ? अगर हाँ तो मुबारक हो.....

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एक नए रिसर्च में गर्म पेय के बारे में अच्छी बातें सामने आई हैं, जिसका भारत और दुनिया भर के कई देशों में अधिक सेवन है। न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में चाय का अधिक सेवन आम है एक रिसर्च में पाया गया है कि अधिक चाय का सेवन मृत्यु के मामूली कम जोखिम से जुड़ा है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि जो लोग दो या तीन कप चाय पीते हैं उनमें चाय न पीने वालों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 9 प्रतिशत और 13 प्रतिशत कम होता है।चाय के फायदेःकैफीन चयापचय में आनुवंशिक भिन्नता की परवाह किए बिना, प्रति दिन 2 या अधिक कप पीने वालों में उच्च चाय का सेवन कम मृत्यु दर से जुड़ा था। इन निष्कर्षों से पता चलता है कि चाय, उच्च स्तर पर भी, एक स्वस्थ आहार का हिस्सा हो सकती है।इसी बात पर एक कप चाय पीनी तो बनती है।

अच्छी शिक्षा देकर मज़बूर बच्चों को जीवन की मुख्यधारा से जोड़ रहे हैं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जी.जी.आई.सी, राजपुर रोड देहरादून में आसरा ट्रस्ट द्वारा 200 वंचित बालिकाओं के लिए बनाए गए आश्रय गृह का लोकार्पण किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 6 सितंबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आसरा ट्रस्ट द्वारा निराश्रित एवं वंचित बालिकाओं के लिए अच्छे आश्रय गृह का निर्माण किया गया है, जिसमें हर सुविधा देने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा की जो अपना जीवन दूसरों की सेवा के लिए समर्पित करता है, उनका जीवन सफल होता है। हमारी ये बालिकाएं अपनी शिक्षा सुगमता से ग्रहण कर सके, उनके लिए अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने में यह आश्रय गृह मददगार साबित होगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में देश में सराहनीय कार्य हो रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए अनेक प्राविधान किए गए हैं। राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की शुरुआत बाल वाटिकाओं से को गई है। शिक्षा के उन्नयन के लिए कई शिक्षकों द्वारा सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें इस संकल्प से आगे बढ़ना है कि, जिन बच्चों की कोई परवरिश करने वाला नहीं है, उनको अच्छी शिक्षा देकर कैसे जीवन की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। इस अवसर पर विधायक खजानदास, शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी, प्रबंध निदेशक हेल्प एलाइंस आंद्रेय पार्नकॉफ एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

नदी पर सभी प्रकार के खनन पर रोक, अन्यथा होगी सख्त कार्यवाही : विधानसभा अध्यक्ष

न्यूज वायरस नेटवर्क

कोटद्वार, 6 सितंबर। कोटद्वार में नदियों में होने वाले खनन के कारण विगत दिनों सुखरौ नदी पर बने पुल के एक पिलर धंस जाने से पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण ने नदियों में हो रहे अवैध खनन को गंभीरता से लिया है जिसको लेकर विधानसभा अध्यक्ष ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि नदियों में किसी भी प्रकार के खनन पर रोक लगा दी जाए। यदि अवैध खनन करते हुए कोई भी व्यक्ति पकड़ा जाता है एवं विभागीय कर्मियों की संलिप्तता पाई गई तो उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने कोटद्वार में अपने निजी आवास पर स्थानीय एवं पुलिस प्रशासन, वन विभाग, सिंचाई विभाग, पेयजल निगम व जल संस्थान के अधिकारियों के संग समीक्षा बैठक की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने पुलिस प्रशासन व स्थानीय प्रशासन सहित वन विभाग को नदियों पर सभी प्रकार के खनन को रोकने के सख्त निर्देश दिए साथ ही अवैध खनन करने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नदियों पर हो रहे खनन के कारण पुलों के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति लगातार बनी हुई है, किसी भी प्रकार की अनहोनी ना हो इसके लिए पुलों के समीप सभी प्रकार के खनन पर रोक लगा दी जाए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को नदियों के किनारे छापेमारी अभियान को तेजी से चलाए जाने की बात कही।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने वन विभाग के अधिकारियों को मालन एवं सुखरो नदी पर रिवर ट्रेनिंग करने की बात कही साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए रिवर ट्रेनिंग वन विभाग के द्वारा ही की जाए एवं नदी से निकले हुए माल को वही प्रयोग किया जाए।विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को सभी पुलो के निगरानी के दिशा निर्देश दिए। वहीं विधानसभा अध्यक्ष ने लोक निर्माण विभाग को सुखरो नदी के क्षतिग्रस्त पुल को जल्द ही मरम्मत कर दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने दैवीय आपदा के अंतर्गत नदियों पर होने वाले बाढ़ सुरक्षा कार्य को लेकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अजय जौन ने बताया कि दैवीय आपदा के अंतर्गत सुखरों नदी पर 507 लाख रुपए, मालन नदी पर 799 लाख रूपए एवम खो नदी के बाए तट पर गाड़ीघाट पुल के पास 926 लाख रूपए के बाढ़ सुरक्षा संबंधी कार्य हेतु प्रस्ताव शासन में भेजे गए हैं जिस पर 9 सितंबर को मूल्यांकन एवं विभागीय समिति की बैठक होनी है इसके पश्चात प्रस्तावों को स्वीकृति मिलने के बाद बाढ़ सुरक्षा कार्य को प्रारंभ किया जाएगा।

देहरादून में 9 सितंबर से लगने जा रहा है रोजगार मेला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बेरोजगार उम्मीदवारों के लिए देहरादून रोजगार कार्यालय 09 सितंबर 2022 को रोजगार मेले का आयोजन करने जा रहा है। इस देहरादून रोजगार मेले में 38 कंपनियां भाग लेंगी, जिसमें 1265 रिक्तियों पर 6000 से 40,000 के बीच वेतन पर नौकरी की पेशकश की जाएगी। 10वीं से पीजी तक की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र हैं। रोजगार मेला परेड ग्राउंड के पास स्थित क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय देहरादून में होगा। इस आगामी जॉब फेयर में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों को 08 सितंबर 2022 को या उससे पहले रोजगार कार्यालय देहरादून में पंजीकरण / पंजीकरण फॉर्म जमा करना आवश्यक है।

देहरादून जॉब फेयर 09 सितंबर 2022 को सुबह 10:00 बजे से आयोजित किया जाएगा। 09 सितंबर 2022 को देहरादून में होने वाले रोजगार मेले में कुल 38 कंपनियां भाग ले रही हैं। इसमें अलग-अलग सेक्टर में काम करने वाली कंपनियां हिस्सा लेंगी। इनमें से कुछ कंपनियां आईटी और फार्मा सेक्टर में हैं। जबकि कुछ कंपनियां Customer Care Services में शामिल हैं।

कंपनियां कुल 1265 विभिन्न पदों के लिए युवाओं का साक्षात्कार लेंगी। इन पदों में सॉफ्टवेयर डेवलपर, फिटर, एचआर-फाइनेंस, ट्रेनी, ऑफिस असिस्टेंट/कंप्यूटर इंजीनियर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, इलेक्ट्रीशियन, एलआईसी एडवाइजर, कस्टमर केयर, ट्रेनी टीचर, आईटीआई ट्रेनी और स्पोकन इंग्लिश ट्रेनर के पद शामिल हैं.

देहरादून में रोजगार मेले के लिए पंजीकरण

देहरादून में रोजगार मेले में भाग लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को मूल दस्तावेजों, फोटोस्टेट्स, रोजगार कार्यालय देहरादून के रोजगार पंजीकरण कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो और आईडी कार्ड के साथ रोजगार कार्यालय देहरादून में पंजीकरण कराना आवश्यक है। उम्मीदवारों को 08 सितंबर 2022 तक पंजीकृत किया जा सकता है।

नोटः अधिक जानकारी के लिए कृपया रोजगार कार्यालय देहरादून देखें। या 0135-2653665 पर कॉल करें (कृपया केवल कार्य दिवस पर सुबह 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे के बीच कॉल करें)

जॉब फेयर के लिए आवश्यक दस्तावेज

1.रोजगार कार्यालय देहरादून का 1 रोजगार पंजीकरण कार्ड2.फोटोकॉपी के साथ सभी मूल शिक्षा प्रमाण पत्र3.वोटर आईडी या आधार कार्ड या पैन कार्ड4.पासपोर्ट साइज फोटो5.जॉब फेयर का स्थान6.क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय देहरादूनपंजीकरण की अंतिम तिथिः 08 सितंबर 2022

उत्तराखंड में तेंदुए के हमले के डर से 700 गांव बने 'भूत गांव'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

55 वर्षीय गोदावरी देवी जून 2021 में कोविड की लहर के चरम के दौरान अपने खेत की जुताई कर रही थीं, जब अचानक एक तेंदुए ने उन पर हमला किया और उन्हें मार डाला। उत्तराखंड में उनके जैसे और भी कई लोग हैं जो या तो बड़ी बिल्लियों का शिकार हो गए या डर के मारे अपने पुश्तैनी घरों से भाग गए।2018 में सरकार के निष्कर्षों के अनुसार, राज्य में 700 ₹भूत गांव₹ हैं और तेंदुए केवल ग्रामीणों की दुविधा को बढ़ा रहे हैं।पिछले पांच वर्षों में अन्य जानवरों के साथ संघर्ष की तुलना में तेंदुए के हमलों ने राज्य में अधिकांश मानव जीवन (लगभग 60%) का दावा किया है। वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, हर साल इस तरह के हमलों के कारण एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत होती है।जवाबी कार्रवाई में अन्य जानवरों से ज्यादा तेंदुए मारे गए हैं। पौड़ी के पोखरा और एकेश्वर ब्लॉक सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। और पौड़ी के मंजगांव, भरतपुर और डबरा गांव ₹पूरी तरह से खाली₹ हैं।इस संबंध में ग्रामीणों का एक दल करीब दो माह पूर्व सीएम पुष्कर सिंह धामी के पास पहुंचा था। अन्य ने उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की।सुधीर सुंदरियाल, जो अब ₹खाली₹ डबरा गाँव से बाहर चले गए, ने कहा, ₹मैंने अपनी चाची को तेंदुए के हमले में खो दिया। उसका पूरा परिवार डबरा से चला गया। हम ऐसे कई परिवारों के बारे में जानते हैं जो पिथौरागढ़, अल्मोड़ा और बागेश्वर से चले गए।₹ भालुलगढ़ ट्रस्ट के संस्थापक सुंदरियाल ने भी इस मामले पर सीएम को पत्र लिखा था। पौड़ी गढ़वाल के मांझगांव की निवासी मोनिका देवी ने कहा, ₹बड़ी बिल्लियां अक्सर खेती की गतिविधियों, शिक्षा और गांव की आर्थिक वृद्धि को बाधित करती हैं। मानव-वन्यजीव संघर्ष राज्य में प्रवास के शीर्ष पांच कारणों में से एक है।

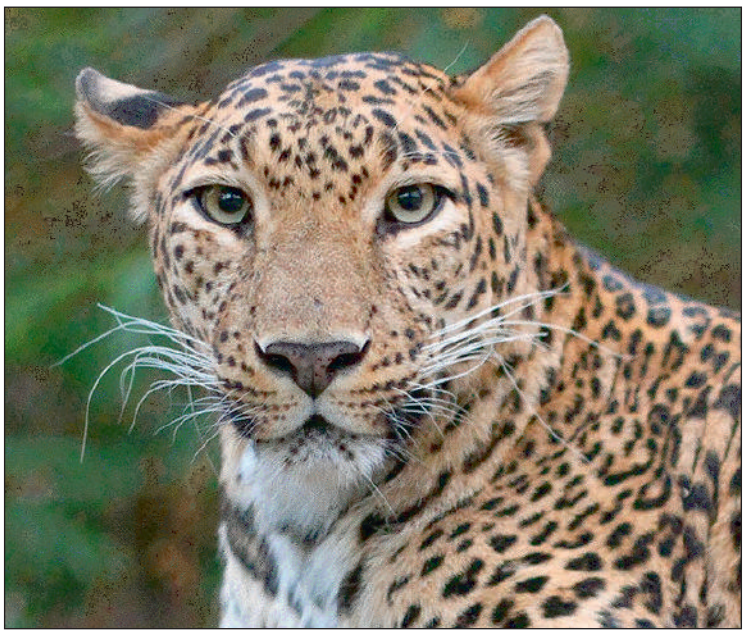

चमोली पुलिस का जनजागरूकता अभियान युद्धस्तर पर महिलाओं को कर रहा जागरूक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुलिस अधीक्षक चमोली श्वेता चौबे के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र-छात्राओं एवं आमजनमानस को महत्वपूर्ण जानकारियां देकर अधिक से अधिक जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी कर्णप्रयाग अमित कुमार, प्रभारी साइबर सैल/एएनटीएफ उ.नि. नवनीत भण्डारी, महिला हेल्प लाईन प्रभारी मीता गुसांई, साइबर सैल के आरक्षी चन्दन सिंह, आरक्षी राजेन्द्र, आरक्षी मनमोहन सिंह, आरक्षी रविकान्त द्वारा आज दिनांक 06/09/2022 को नर्सिंग कॉलेज गोपेश्वर के विद्यार्थियों को एवं वहाँ उपस्थित कॉलेज स्टाफ को नर्सिंग कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. ममता कपरवाण, एवं शिक्षक डॉ शालिनी की उपस्थिति में उत्तराखंड पुलिस एप की प्रक्रिया, यातायात नियमों, साइबर अपराधों एवं उनसे बचाव के तरीकों, महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों, मानव तस्करी, आपातकालीन नम्बर डायल-112, एवं साइबर हेल्पलाइन नम्बर-1930, सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति एवं दुष्प्रभाव, सोशल नेटवर्किंग साइट की जानकारी एवं सोशल मीडिया पर बरती जाने वाली सावधानियों, एटीएम/ बैंक फ्रॉड, आदि के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी, एवं अपने साथ होने वाले किसी भी प्रकार के अपराध के प्रति जागरुक रहने व अपराध की सूचना तत्काल डायल 112/1930 व उत्तराखण्ड पुलिस एप के माध्यम से पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया।

डीएम यूएस नगर युगल किशोर पंत ने तहसील दिवस में ताबड़तोड़ निपटाई जन शिकायतें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गदरपुर, 6 सितम्बर । जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त की अध्यक्षता में ब्लॉक सभागार में आमजन की समस्याओं के निराकरण हेतु तहसील दिवस का आयोजन किया गया। तहसील दिवस में सड़क, सिंचाई, पेंशन, अतिक्रमण, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, विद्युत, जमीनी विवाद, रास्ता एवं दुकान विवाद आदि से सम्बन्धित कुल 107 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से 27 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि तहसील दिवस में जिन समस्याओं का निस्तारण संभव नहीं हो पाया है उन सम्स्याओं सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को हस्तगत की जा रहीं हैं, उन सभी समस्याओं का समबद्धता एवं प्राथमिकता से निस्तारण करना सुनिश्चित करें और कृत कार्यवाही से फरियादियों को भी अवगत कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आमजन की समस्याओं का निस्तारण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिये जनता की कोई भी समस्या हो, उसका निस्तारण व्यक्तिगत रुचि लेकर हल करना सुनिश्चित करें। उन्होंने मार्गदर्शित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी अच्छे लोकसेवक की भावना से कार्य करते हुए जनता के चेहरों पर मुस्कराहट लाने का काम करें। उन्होंने कहा कि कार्यालय में आने वाला हर आगंतुक संतुष्ट होकर जाये। क्षेत्रीय विधायक अरविन्द पाण्डे ने कहा कि जनता को जिला मुख्यालय के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें, इसलिए जो समस्या जिस स्तर की है, उस समस्या का उसी स्तर पर निस्तारण हो जाना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नौकरी जनता की सेवा के लिए है और सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण सेवाभाव से कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपनी समस्याऐं लेकर जो भी व्यक्ति आये, उसकी समस्या को पूरी शालीनता एवं तन्मयता से सुना जाये और समस्याओं का निस्तारण एवं समाधान उचित ढंग से किया जाये। उन्होंने कहा कि समय-समय पर आयोजित होने वाले तहसील दिवस का जनता को अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए, क्योंकि तहसील दिवस में सभी अधिकारियों के उपस्थित रहने से समस्याओं के निस्तारण हेतु दफतरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं और समस्याओं का समाधान मौके पर ही मिलता है। उन्होंने सरकार की मंशानुसार सरलीकरण, समाधान एवं निस्तारण के मन्त्र पर समस्याओं का निस्तारण करने के लिए कहा। पशुपालन, नगर पंचायत गूलरभोज, श्रम विभाग, समाज कल्याण, पंचायतीराज, ग्राम्य विकास, जल संस्थान, गन्ना विकास विभाग, उद्यान विभाग, बाल विकास, विद्युत विभाग, नगर पालिका गदरपुर, अल्प संख्यक कल्याण विभाग, पूर्ति विभाग, राजस्व आदि विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही पात्र व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया।

आज के समय में कोई अपने बच्चे का ऐसा नाम कैसे रख सकता है? जानिए क्या है नाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे का नाम दूसरे से अलग हो। यही कारण है कि लोग बच्चे का नामकरण करने में काफी समय लगाते हैं। कई बार बच्चे का नाम पंडित जी या यहां तक कि रिश्तेदारों द्वारा सुझाया जाता है। इस बीच माता-पिता के साथ नामों की एक अच्छी सूची तैयार की जाती है। इस तरह भारतीय संस्कृति में नामकरण संस्कार भी किया जाता है। इस दौरान कुछ लोग बच्चे का नाम अपने आराध्य के नाम पर रखना पसंद करते हैं, वहीं कुछ लोग बच्चे का नाम सेलिब्रिटी के नाम पर रखना भी पसंद करते हैं, लेकिन हाल ही में एक ब्रिटिश माता-पिता ने अपने बच्चे को ऐसा अजीब नाम दिया है, जिसके बाद वह चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर चर्चा।

दरअसल, ब्रिटेन में एक माता-पिता ने अपने बच्चे का नाम एक भारतीय डिश के नाम पर रखा है। बच्चे का नाम पकोड़ा बताया जा रहा है। जी हाँ अपने सही पड़ा कहा जा रहा है कि माता-पिता ने पकोड़ा नाम इसलिए रखा है क्योंकि उन्हें यह बहुत पसंद है।

आपको बता दें कि आयरलैंड के न्यूटाउनबाई शहर में एक मशहूर रेस्टोरेंट है, जिसका नाम कैप्टन टेबल है। रेस्तरां ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में साझा किया कि एक जोड़ा जो उनके रेस्तरां में अक्सर आते-जाते हैं, उन्होंने अपने बच्चे का नाम उनकी एक व्यंजन के नाम पर रखा है। इतना ही नहीं रेस्टोरेंट ने बच्चे के साथ एक बिल की फोटो भी शेयर की है..

सोशल मीडिया पर बच्चे के नाम की चर्चा के बाद यूजर्स के रिएक्शन की बाढ़ आ गई। बच्चे का नाम जानकर हर कोई माता-पिता से ऐसा करने की वजह जानना चाहता है।मुझे सोच कर चिंता हो रही है की बड़े होकर उसके दोस्त उसका मजाक उड़ाएंगे।

कर्ज चुकाने से परेशान व्यक्ति, किडनी बेचने अस्पताल पहुंचा

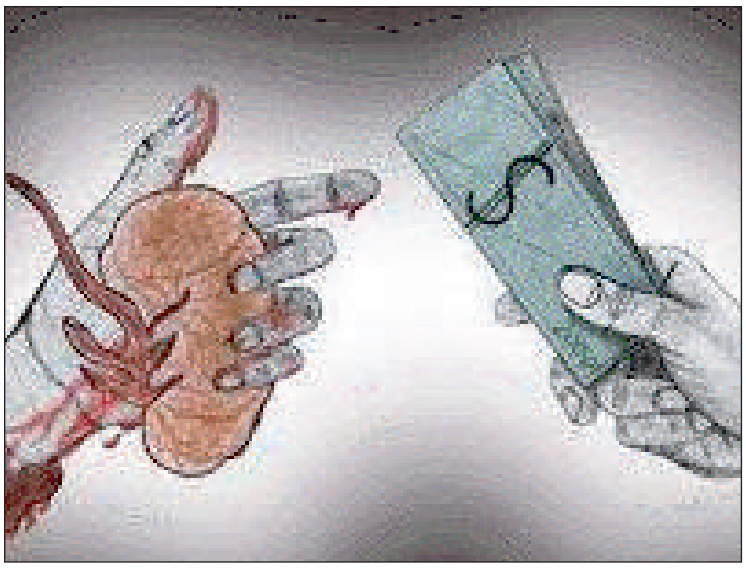

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मामला हरिद्वार का है जब एक व्यक्ति किडनी बेचने हरिद्वार जिला अस्पताल पहुंचा। युवक की बात सुनकर अस्पताल स्टाफ के होश उड़ गए। युवक ने बताया कि वह नैनीताल जिले के देवीधुरा का रहने वाला है. हरिद्वार सिडकुल की एक कंपनी में काम करता है। एक साल पहले पिथौरागढ़ निवासी ने एक दोस्त से एक लाख रुपये उधार लिए थे, जो अब तक नहीं चुकाए हैं।दोस्त से उधार लिए गए एक लाख रुपये नहीं लौटा पाने से परेशान युवक अपनी किडनी बेचने जिला अस्पताल पहुंचा. उसने बताया कि दोस्त पैसे मांग रहा है लेकिन उसके पास इतने पैसे नहीं हैं कि वह वापस दे सके। वह अपनी किडनी बेचकर कर्ज चुकाना चाहता है।युवक ने बताया कि वो फैक्ट्री में एक छोटी सी नौकरी करता है, जिससे उसका घर बड़ी मुश्किल से चलता है। उसने अपने दोस्त को पैसे देने के लिए एक या दो दिन का समय दिया है। पैसे के अभाव में वह अपनी किडनी बेचना चाहता है।लेकिन अस्पताल के कर्मचारियों ने उसे समझाया कि शरीर के अंगों की खरीद एक अपराध है। इसके बाद युवक को अस्पताल से वापस भेज दिया गया।

कैसे पता करें की आपको सर्दी है या फ़्लू? जानिए इस खबर में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सामान्य सर्दी और फ्लू के समान लक्षण होते हैं, जो बहुत से लोगों को भ्रमित करते हैं। यहां दो संक्रमणों के बीच सभी अंतर हैं जिन्हें आपको जानना चाहिए।आपको दर्द हो रहा है, खांस रहा है या छींक आ रही है, आपको कैसे पता चलेगा कि आपको सर्दी के लक्षण हैं या यह फ्लू है? इन दो शब्दों को लंबे समय से एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल किया गया है; हालांकि, वे अलग हैं। जबकि बीमार होने पर आपके द्वारा अनुभव किए जाने वाले लक्षणों का वर्णन करने के लिए सैकड़ों शब्द हैं, एक सामान्य सर्दी और इन्फ्लूएंजा के बीच अंतर करना महत्वपूर्ण है। यदि आप सामान्य सर्दी और इन्फ्लूएंजा को भ्रमित कर रहे हैं। यदि आपके लिए दोनों के बीच अंतर करना मुश्किल है, तो दोनों समान, अक्सर अतिव्यापी लक्षण पैदा करते हैं, तो यह लेख आपके लिए है।

सामान्य सर्दी और फ्लू के बीच अंतर को समझना

मौसमी परिवर्तन और मौसम में अचानक बदलाव के साथ, हम फ्लू से लेकर सामान्य सर्दी तक के विभिन्न वायरल संक्रमणों में वृद्धि देखते हैं। प्रभावी ढंग से इलाज करने और गति बढ़ाने के लिए विभिन्न स्थितियों में मतभेदों को पहचानना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। ठीक होने की प्रक्रिया। इसके अलावा, इन मौसमी संक्रमणों से बचने के लिए, लोगों को स्वस्थ और संरक्षित रखने के लिए निवारक उपायों को समझना और अपनाना भी महत्वपूर्ण है।

लोगों को सर्दी और फ्लू के बीच तुरंत अंतर करने में सक्षम होना महत्वपूर्ण है ताकि वे उचित चिकित्सा देखभाल प्राप्त कर सकें जिनकी उन्हें आवश्यकता है। सौभाग्य से, निर्धारित दोनों के बीच कुछ स्पष्ट अंतर हैं जिन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए।

सामान्य सर्दी बनाम फ्लू , यहाँ सर्दी और फ्लू के बीच महत्वपूर्ण अंतर हैं:

सामान्य सर्दी और फ्लू या तो व्यक्तिगत संपर्क और शरीर से स्राव, जैसे लार या खांसने या छींकने से तरल पदार्थ के माध्यम से फैलते हैं, लेकिन वे अलग-अलग वायरस द्वारा लाए जाते हैं। फ्लू विशेष रूप से इन्फ्लूएंजा वायरस के विभिन्न प्रकारों या प्रकारों के कारण होता है, जबकि एक सामान्य सर्दी कई वायरस से उत्पन्न हो सकती है, सबसे आम राइनोवायरस है। यह समझने के लिए कि क्या कोई व्यक्ति फ्लू का अनुभव कर रहा है, डॉक्टर से परामर्श करने की सलाह दी जाती है। वे किसी के लक्षणों का आकलन करेंगे और वायरस की प्रकृति का निर्धारण करने के लिए परीक्षण कराने की सिफारिश कर सकते हैं।

शरीर में दर्द, थकान, सिरदर्द, गले में खराश, खांसी और नाक बहना या बंद होना इन दोनों बीमारियों के सामान्य लक्षणों में से हैं। लेकिन सर्दी के विपरीत, फ्लू में कभी-कभी उच्च श्रेणी का बुखार भी शामिल होता है (आमतौर पर 101 डिग्री फ़ारेनहाइट या अधिक)। ठंड लगना (कांपना या कांपना), जो अक्सर इन्फ्लूएंजा के साथ होता है लेकिन सर्दी के साथ नहीं, एक और विशिष्ट विशेषता है। ज्यादातर समय, फ्लू के लक्षणों की तुलना में ठंड के लक्षण कम गंभीर होते हैं।

पहले लक्षण कैसे प्रकट होते हैं, इसमें भी अंतर हैं, फ्लू के लक्षण अधिक अचानक शुरू होते हैं और सर्दी की तुलना में अधिक तेज़ी से बढ़ते हैं। एक सप्ताह के बाद, ठंड के लक्षण आमतौर पर बेहतर हो जाते हैं। फ्लू धीरे-धीरे दो से पांच दिनों की अवधि में ठीक हो सकता है, लेकिन दुष्प्रभाव एक सप्ताह तक रह सकते हैं।आवश्यक देखभाल का मार्गदर्शन करने के लिए इन अंतरों को समझना महत्वपूर्ण है। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि निवारक उपाय किए जा सकते हैं। ऐसे में इस मौसम में इन स्थितियों से बचने के उपायों को पहचानना भी मददगार हो सकता है।

सामान्य सर्दी और फ्लू से कैसे बचें?

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, फ्लू के संक्रमण को कम करने के लिए आवश्यक रणनीतियों में से एक टीकाकरण है। फ्लू टीकाकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रतिरक्षा सुरक्षा समय के साथ खराब हो सकती है, इसलिए हर साल ऐसा करने की सलाह दी जाती है। डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों के अनुसार, वार्षिक इंजेक्शन उत्परिवर्तित इन्फ्लूएंजा वायरस से बचाव में सुधार करते हैं, जिसकी संरचना हर साल बदलती है। जबकि सामान्य सर्दी को रोकने के लिए कोई टीकाकरण नहीं है, स्वस्थ रहने के लिए उचित स्वच्छता का अभ्यास करना आवश्यक है।

यही है वो मछली जो 10 डॉलर में 1KG आती है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 6 सितम्बर । बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 4 दिन की भारत यात्रा पर हैं। इसी बीच खबर है कि बांग्लादेश की नेशनल फिश हिलसा भारत को निर्यात की गई है। चलिये आपको बताते हैं आखिर ये मछली क्यों इतनी खास है ?बांग्लादेश सरकार ने आगामी दुर्गा पूजा के अवसर पर भारत को आठ टन हिलसा का निर्यात किया। मछली को ले जाने वाले 2 ट्रक सोमवार शाम बेनापोल सीमा शुल्क और बंदरगाह की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद भारत में पेट्रापोल बंदरगाह में प्रवेश कर गए थे। इस साल दुर्गा पूजा के दौरान बांग्लादेश भारत को कुल 2,450 टन हिलसा का निर्यात करेगा। बांग्लादेश के मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स ने 4 सितंबरको ही 49 कंपनियों को हिलसा निर्यात करने की अनुमति दी है। हरेक कंपनी 50 टन हिलसा का निर्यात कर सकती है।

8 टन मछली का निर्यात सोमवार को बारिसल के महिला एंटरप्राइज द्वारा किया गया था जिसे भारत के एसआर इंटरनेशनल द्वारा आयात किया गया है। मछली निरीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण के इंस्पेक्टर महबूब रहमान ने हिल्शा मछली को 10 डॉलर प्रति किलोग्राम के हिसाब से निर्यात करने की पुष्टि की है।

बांग्लादेश में पद्मा नदी में रहने वाली हिलसा भारत के पश्चिम बंगाल के बंगालियों को बहुत पसंद है। हालांकि बांग्लादेश सरकार अपने देश की जरूरतों को देखते हुए समय-समय पर इसका निर्यात बंद कर देती है। 2012 में बांग्लादेश से भारत में हिलसा के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। हालांकि, बांग्लादेश ने विभिन्न अवसरों पर भारत को हिलसा मछली भेंट की है। पिछले साल भी दुर्गा पूजा पर मछली का निर्यात किया था। बेनापोल के C&F एजेंट युथी एंटरप्राइज के मैनेजन मिजानुर रहमान ने कहा कि इस बार प्रति किलो हिलसा का निर्यात मूल्य $10 है, जो कि Tk947.39 (बांग्लादेशी करेंसी) के बराबर है।

संपादकीय

गैर संचारी रोग

हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर गैर संचारी (गैर संक्रामक) रोगों की वजह से बोझ बढ़ता जा रहा है. ये रोग अनुवांशिक, शारीरिक, पर्यावरणीय और व्यावहारिक कारकों की वजह से होते हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हृदय रोग, कैंसर, दमा व अन्य सांस की बीमारियां और डायबिटीज इस श्रेणी के मुख्य रोग हैं. दुनियाभर में हर साल चार करोड़ से अधिक लोग इन बीमारियों के कारण मौत के शिकार हो जाते हैं. स्थिति की गंभीरता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर होने वाली सभी मौतों में इनका हिस्सा 71 फीसदी से अधिक है. भारत में भी हालत बेहद गंभीर है. भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा 2017 में जारी एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में होने वाली मौतों में गैर संचारी रोगों का हिस्सा 1990 में 37.9 प्रतिशत था, जो 2016 में बढ़ कर 61.8 प्रतिशत हो गया. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2015 में बताया था कि भारत में लगभग 58 लाख लोग हर साल इन रोगों से मौत का शिकार बन जाते हैं. स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि हर चार में से एक भारतीय के 70 साल की उम्र से पहले गैर-संचारी रोगों से मर जाने की आशंका रहती है. राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के तहत यह लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि असमय मौतों की संख्या में 2025 तक 25 प्रतिशत की कमी की जायेगी. इस स्वास्थ्य संकट पर प्राथमिकता से ध्यान देना जरूरी हो गया है. दिल का दौरा और कैंसर तो महामारी की शक्ल लेते जा रहे हैं. डायबिटीज आम बीमारी बनती जा रही है. बदलती जीवन शैली ने इन बीमारियों को बढ़ाने में सबसे अधिक योगदान दिया है. वायु प्रदूषण सांस की बीमारियों के साथ हृदय रोग और अनेक तरह के कैंसर का कारण भी बन रहा है. खाने-पीने की चीजों में रसायनों का बेतहाशा इस्तेमाल एक बड़ी समस्या बन चुका है. इस तरह के रोग अन्य रोगों या संक्रमणों को भी अधिक जानलेवा बना देते हैं. कोरोना महामारी के दौर में इन बीमारियों को मौतों का सबसे बड़ा कारण बताया गया. इनकी रोकथाम की सबसे पहली जिम्मेदारी व्यक्ति की है. उसे अपने रहन-सहन में वांछित सुधार लाना चाहिए तथा स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देना चाहिए. संतुलित भोजन, कसरत, घूमना-टहलना, शारीरिक मेहनत करना, तम्बाकू व शराब से परहेज और डॉक्टर से सलाह जैसे उपाय हमें असमय मौत के मुंह में जाने से बचा सकते हैं. महामारी और विभिन्न रोगों में वृद्धि ने इस आवश्यकता को रेखांकित किया है कि हमारी स्वास्थ्य सेवा में तीव्र सुधार व विस्तार होना चाहिए. सरकार के ओर से भी इस संबंध में प्रयास हो रहे हैं, पर उसमें अधिक निवेश अपेक्षित है.

धान खरीद का कार्य शासन की प्राथमिकताओं में : युगल किशोर पन्त डीएम , यूएस नगर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर, 6 सितम्बर। सभी सम्बन्धित अधिकारी जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में धान खरीदी के लिए सभी आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करें। यह निर्देश जिलाधिकारी ने जिला कार्यालय सभागार में इस वर्ष धान खरीद हेतु चल रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए दिये। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि धान खरीद का कार्य शासन की प्राथमिकताओं में से है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को आसानी से पंजीकरण कराने की सुविधा उपलब्ध कराई जाये और इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाये कि किसानों को पंजीकरण के लिए परेशान न होना पड़े। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि धान विक्रय हेतु किसानों के पंजीयन में काई भी समस्या आने पर उसका निराकरण प्राथमिकता से करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने एआर को-ऑपरेटिव को निर्देशित करते हुए कहा कि पूर्व की भांति इस वर्ष भी को-ऑपरेटिव विभाग द्वारा 137 क्रय केन्द्र ही खोले जायेंगे। उन्होंने समिति सचिवों को किसानों के ऑनलाइन पंजीयन हेतु प्रशिक्षण देने के निर्देश भी निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि नैफेड को विकासखण्ड जसपुर के स्थान पर अन्य विकास खण्ड में धान क्रय केन्द्र खोलने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि धान क्रय केन्द्रों पर सभी पंजिकाएं व्यवस्थित हों और नियमानुसार पंजिकाएं भरी जायें। उन्होंने क्रय केन्द्रो पर माप-तौल हेतु प्रमाणित कांटे एवं मशीने लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने आवश्यकतानुसार धान क्रय केन्द्र खोलने हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश सभी उप जिलाधिकारियों को दिये।

हरिद्वार जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय का अवैध सम्पत्तियों को ध्वस्त करने की कार्रवाई जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 6 सितम्बर। जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण विनय शंकर पाण्डेय के आदेशों के क्रम में हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण द्वारा लगातार कई अवैध सम्पत्तियों को सील करने, अवैध निर्माण को ढहाने तथा अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त करने की कार्रवाई जारी है। उसी सिलसिले में मंगलवार को भी अवैध निर्माण/कालोनी को सील करने की कार्रवाई की गयी।

सचिव हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण उत्तम सिंह चौहान ने बताया कि यासीन व अय्युब द्वारा आन्नेकी रोशनाबाद मार्ग हेतमपुर, लक्ष्मीनगर फेस-1, पुल से पहले आन्नेकी रोशनाबाद हरिद्वार में विकसित की गई अवैध कालोनी को अधिशासी अभियन्ता माधवानन्द जोशी, अवर अभियन्ता त्रिपन सिंह पंवार, क्षेत्रीय सुपरवाइजर व स्टाफ की टीम द्वारा सील करने की कार्रवाई की गयी। जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष एचआरडीए ने कहा है कि भविष्य में जो भी अवैध प्लाटिंग/अवैध निर्माण आदि में लिप्त पाये जायेगे, उनके खिलाफ इसी तरह नियमानुसार सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी।

'भाड़ में जा' इस शब्द का मतलब क्या है? क्या आपको पता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हम अपने जीवन में कितने शब्दों का प्रयोग करते हैं? बहुत से लोग ऐसे होते हैं जिन्हें आधे शब्द का अर्थ भी नहीं पता होता है। कभी-कभी हम कुछ ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं जिनके बारे में हमें पता भी नहीं होता लेकिन फिर भी हम उनका इस्तेमाल सिर्फ इसलिए करते हैं क्योंकि हम उन्हें बचपन से सुनते आ रहे हैं।. निश्चित रूप से आप भी कई ऐसे शब्द जानते होंगे जिनका अर्थ जानने की आपने जहमत भी नहीं उठाई होगी।

अगर हम ऐसे ही एक वाक्य की बात करें तो 'भाड़ में जाओ' का इस्तेमाल ज्यादातर लोग करते हैं, लेकिन फिर भी हम में से बहुत से लोग इसका मतलब नहीं जानते हैं। भाड़ में जाओ, भाड़ में गया प्यार-व्यार ,भाड़ में गई तुम्हारी आशिकी, भाड़ में गई ये नौकरी और चूल्हे में गया तुम्हारा ऑफिसवगैरह-वगैरह, ऐसे ही ना जाने कितने वाक्यों के लिए हम भाड़ शब्द का इस्तेमाल करते हैं।

आखिर क्या है भाड़ शब्द का अर्थ ?

आपने शायद ये वाक्य सुना होगा, 'अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता है', यहां पर भाड़ शब्द को भड़भूजा शब्द से लिया गया है। कई क्षेत्रीय भाषाओं में भड़भूजा उस चीज़ को कहा जाता है जहां पर चना, मूंगफली या दाल को भूना जाता है। शायद आपने भी इसे देखा होगा जहां रेत पर चने, मूंगफली, लाई (मुरमुरा), सूखी दाल आदि को भूना जाता है। भाड़ शब्द के अगर शाब्दिक अर्थ पर जाएं तो इसका मतलब भट्टी होता है। ये वो चीज़ होती है जो गीली मिट्टी और ईंट से मिलाकर बनाई जाती है। अधिकतर इस तरह की छोटी भट्टी में अनाज को ही भूना जाता है। इसमें कई बार गीले अनाज की नमी को हटाने के लिए भी धान को भूना जाता है। ये शब्द अधिकतर यूपी, पूर्वांचल और बिहार जैसे क्षेत्रों में इस्तेमाल किया जाता है और वहां पर जगह-जगह आपको इस तरह की भट्टी मिल जाएगी। इस तरह की भट्टी में अधिकतर दो तरफ से मुंह (होल) बनाया जाता है जहां एक तरफ से आग जलती है और दूसरी तरफ से ईंधन डालने की जगह बनी होती है। इसमें जिस भी चीज़ को भूना जाता है उसके लिए लगातार आग का जलना जरूरी होता है और ऐसे में ये जरूरी है कि ईंधन डालने के लिए जगह बनी रहे।

क्यों 'भाड़ में जा' कहा जाता है?

अब भाड़ का मतलब तो आप अच्छी तरह से समझ ही गए होंगे, लेकिन 'भाड़ में जा' तो अभी बाकी है ना। भाड़ में आग जलती रहती है ये तो हम जान ही गए हैं और ये भाड़ यानी भट्टी इतनी बड़ी होती है कि पूरा का पूरा इंसान इसके अंदर समा सकता है और जलकर भस्म हो सकता है। इसलिए इसका मतलब जलकर मर जा होता है ।तो अब अगर किसी को आप भाड़ में जाओ कहें तब ध्यान रखें कि इसका मतलब क्या है और आप किस अर्थ से उसे बोल रहे हैं।

क्या ज़माना आ गया है मोमो के प्लेट के लिए, एक किशोर ने 40 वर्षीय व्यक्ति की हत्या कर दी

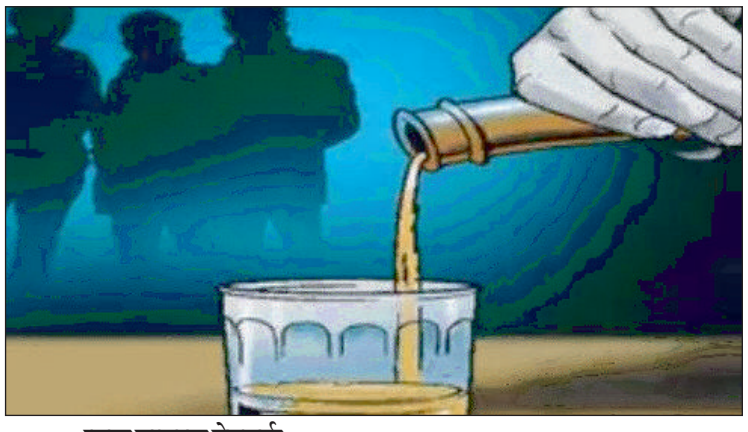

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नशा एक ऐसी चीज है जो इंसान का दिमाग खराब कर देती है। व्यक्ति पर नशा हावी हो जाता है तो उसे खुद भी नहीं पता होता कि वह क्या कर रहा है। एक ऐसी खबर सामने आई है जिसमें एक 40 वर्षीय व्यक्ति की नशे की हालत में नाबालिग ने हत्या कर दी। आपको बता दे की ये खबर राष्ट्रीय राजधानी के मोहन गार्डन इलाके की है जहाँ पुलिस ने कहा कि मृतक की पहचान निवासी जितेंद्र महतो के रूप में हुई है, जबकि आरोपी को पकड़ लिया गया है। उन्हें एक अस्पताल से घटना की जानकारी मिली, जिसने उन्हें सूचित किया कि एक व्यक्ति को अस्पताल लाया गया और उसे मृत घोषित कर दिया गया।एक अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान, यह पता चला कि उस व्यक्ति को चाकू मारा गया था, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि उन्हें एक और फोन आया जिसमें उन्हें बताया गया कि किशोरी को पकड़ लिया गया है। इसके बाद, पुलिस मौके पर पहुंची और घटना के समय कथित तौर पर नशे में धुत किशोर लड़के को पकड़ लिया।जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि महतो जब मोमोज खा रहा था तो गलती से उसका हाथ किशोरी के हाथ में लग गया और उसकी प्लेट गिर गई। इसके बाद आरोपी किशोरी ने उस व्यक्ति को गालियां देना शुरू कर दिया, जिसके बाद उनके बीच कहासुनी हो गई और कुछ ही देर में इसने हिंसक रूप ले लिया।आरोपी के खिलाफ धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हरिद्वार जिला पंचायत : लंबी माथापच्ची के बाद भाजपा के 44 प्रत्याशी घोषित, प्रतिष्ठा का सवाल बना चुनाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 6 सितम्बर। दिन भर चली माथापच्ची के बाद भाजपा ने हरिद्वार जिला पंचायत सदस्य पद के लिए प्रत्याशियों की सूची फाइनल कर दी। अब तक हुए चुनावों में भाजपा जिला पंचायत पर भगवा बुलंद नहीं कर पाई है। इस बार उसके लिए चुनाव प्रतिष्ठा का सवाल माना जा रहा है। यही वजह है कि प्रत्याशियों को तय करने के लिए प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम पहुंचे। उनकी मौजूदगी में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार ने जिलों से प्राप्त किए गए पैनल पर मंथन किया और नाम तय किए।

प्रत्याशियों के चयन में सोशल इंजीनियरिंग का खास ख्याल रखा गया है। जातीय समीकरणों के हिसाब से प्रत्याशियों का चयन किया गया है। नाम तय करने के बाद सभी नेता मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से चर्चा करने मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। देर रात पार्टी ने सूची फाइनल की। हरिद्वार के जिलाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह ने देर रात पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों की सूची जारी की।

रुड़की के शंकरपुरी में 35 लोगों में हुई डेंगू की पुष्टि, बुखार से एक महिला की हो चुकी मौत

रुड़की। शंकरपुरी गांव में करीब एक माह से डेंगू का प्रकोप बना हुआ है। गांव के सौ से अधिक लोग संदिग्ध बुखार की चपेट में हैं। पांच दिन पहले स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर करीब 25 लोगों के घरों में जांच की। इसमें बड़ी संख्या में लोग बुखार से पीड़ित मिले थे। रुड़की के शंकरपुरी से चार दिन पहले लिए गए सौ सैंपलों में से 50 की रिपोर्ट में 35 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों के संक्रमित मिलने ने गांव में दहशत का माहौल है। एक दिन पहले ही गांव में बुखार से एक महिला की मौत भी हो चुकी है। शंकरपुरी गांव में करीब एक माह से डेंगू का प्रकोप बना हुआ है। गांव के सौ से अधिक लोग संदिग्ध बुखार की चपेट में हैं। पांच दिन पहले स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव पहुंचकर करीब 25 लोगों के घरों में जांच की। इसमें बड़ी संख्या में लोग बुखार से पीड़ित मिले थे। तीन घरों से डेंगू का लार्वा मिला था। ऐसे में अगले ही दिन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में शिविर लगाकर 100 लोगों के सैंपल लिए थे। इन सैंपलों की एलाइजा जांच करवाई गई। मंगलवार को 50 लोगों की रिपोर्ट आई जिसमें 35 लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है। वहीं एक दिन पहले ही गांव में एक महिला की बुखार से मौत हो गई थी। ऐसे में अब एक साथ इतने मरीज मिलने पर गांव में दहशत है।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा